प्रस्तावना

कोलिन एच. पॉवेल

बीते कुछ वर्षों के दौरान हम विश्व के सबसे पुराने और बड़े लोकतंत्रों अमेरिका और भारत के आपसी रिश्तों में असली बदलाव—यानी बुनियादी बदलाव—के प्रत्यक्षदर्शी रहे हैं। राष्ट्रपति बुश और पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी के नेतृत्व की बदौलत दोनों देशों के बीच रिश्ते जितने बेहतर हुए उतने पहले कभी न हुए थे। हमें भरोसा है कि नए प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व में ये रिश्ते और मजबूत होंगे। सकारात्मक बदलाव की सतत् जारी इस प्रक्रिया की जड़ें राजनीतिक स्वतंत्रता, सहनशीलता, प्रतिनिधि सरकार और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई के प्रति समर्पित लोकतांत्रिक समाजों के तौर पर हमारे साझा मूल्यों और हितों में निहित हैं।

भारत की जीवंतता और अपने हितों के मद्देनजर उसके महत्व को अमेरिका बखूबी समझता है और हम अपने द्विपक्षीय रिश्तों के हर पहलू को नए सिरे से परिभाषित कर रहे हैं। जैसा कि पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी ने कहा था, भारत और अमेरिका ''स्वाभाविक सहयोगी'' हैं। उभरती विश्व शक्ति के तौर पर भारत का उदय और परिपक्व बाजार अर्थव्यवस्था के तौर पर उसका विकास दक्षिण एशिया और विश्व के लिए महत्वपूर्ण है। एशिया में स्थायित्व और उसे शांतिपूर्ण और समृद्ध बनाने में दक्षिण एशिया के सबसे बड़े देश के तौर पर भारत को अहम भूमिका निभानी है।

अगले पन्नों में अमेरिका और भारत के बीच विविध क्षेत्रों में सहयोग को लेकर आए सकारात्मक बदलाव का सजीव और सुरुचि संपन्न ब्यौरा प्रस्तुत किया गया है, जिसमें विश्व में स्थिरता और सुरक्षा को बढ़ावा देने से लेकर जीवन स्तर और जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनाने में योगदान तक शामिल है। आज हम आर्थिक नीति, कारोबार और निवेश, जनसंहारक हथियारों के प्रसार को रोकने, क्षेत्रीय सुरक्षा को मजबूती प्रदान करने और आतंकवाद के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय युद्ध के बारे में कूटनीतिक स्तर पर गहन और बहुमूल्य आदान-प्रदान कर रहे हैं। हम दुनिया में मौसम संबंधी बदलावों को सीमित करने और पर्यावरण तथा ऊर्जा के स्रोतों को संरक्षित करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। जहां राष्ट्रपति बुश और पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी ने अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा के असैनिक इस्तेमाल में सहयोग बढ़ाने, उच्च-प्रौद्योगिकी के आदान-प्रदान में तेजी लाने और मिसाइल प्रतिरक्षा के क्षेत्र में बातचीत को विस्तृत करने की प्रतिबद्धता दोहराई, वहीं भारत निर्यात संबंधी नियंत्रणों और परमाणु अप्रसार संबंधी नीतियों में सुधार ला रहा है। हम मिलकर ऐसे क्षेत्रों में उन्नति कर रहे हैं, जिससे बीमारियों से लड़ने और खाद्य आपूर्ति की गुणवत्ता को सुधारने में मदद मिलेगी। हमने कानून के प्रवर्तन और खुफिया जानकारियों के आदान-प्रदान में सहयोग के नए रास्ते खोले हैं। इसके अलावा महत्वपूर्ण बात तो यह है कि हमने जनता

अमेरिकी विदेश मंत्री पॉवेल का कहना है कि अमेरिका-भारत संबंधों में सचमुच बदलाव दिख रहा है

रायटर्स/स्टीफन जैकलिन

के स्तर पर संपर्क बढ़ाने के नए रास्ते खोजने की प्रक्रिया जारी रखी है। हमारे दो महान देशों के बीच सीधे संपर्क में जबरदस्त बढ़ोतरी का सबसे प्रत्यक्ष उदाहरण यह है कि आज अमेरिका में दुनिया के किसी भी अन्य देश की तुलना में भारत के ज्यादा पुरुष और महिलाएं शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

अमेरिका के साथ भारत के रिश्ते परस्पर सम्मान और इस भरोसे पर आधारित हैं कि सुरक्षित और समृद्ध विश्व का लक्ष्य हासिल करने के लिए इकट्ठे मिलकर प्रयास करना होगा। अमेरिका इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए भारत के साथ अपनी सहभागिता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। समान कद वाले दो देशों के बीच इस गहरे रिश्ते पर ध्यान देने और इसके लिए कड़ी मेहनत करने की जरूरत है। दोनों देशों ने आगे बढ़ने और भविष्य की राह में आने वाली किसी भी बाधा को दूर करने के लिए मिलकर काम करने की तैयारी दर्शाई है। अमेरिका और भारत के रिश्ते आज पहले से कहीं बेहतर हैं और दोनों सरकारें इसे बेहतरीन बनाए रखने के लिए कटिबद्ध हैं।
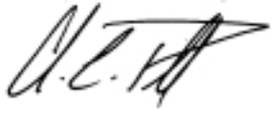
राजदूत डेविड मलफोर्ड और नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास तथा कोलकाता, चेन्नई और मुंबई स्थित वाणिज्य दूतावासों की तरफ से अमेरिका और भारत के बीच बने नए रिश्ते और विश्व की एक महानतम संस्कृति के साथ करीबी सहयोग के प्रति उपहार के तौर पर यह पुस्तक प्रकाशित करते हुए मुझे हार्दिक प्रसन्नता है.